पुष्टिसंस्कार वार्षिक महोत्सव–2016 श्री पुष्टिसंस्कार संस्थान, जूनागढ़

29 मई, 2016

पुष्टि मार्ग मे भक्ति पर बल दिया गया है। श्री वल्लभाचार्य पुष्टि मार्ग के बड़ आचार्य हुए है। पुष्टिमार्गी भक्त श्री किशोरचन्द्र जी महाराज बालको मे धार्मिक सस्कारो के सिचन और गौपालन सम्बन्धो गतिविधिया चलाते है। उनका विश्वास है कि सस्कारक्षम शिक्षा द्वारा ही बच्चो का निर्माण किया जा सकता है। शिक्षा की अलग–अलग लोग अलग–अलग व्याख्या करते आए है। कोई शिक्षा को ज्ञानार्जन का साधन मानता है तो कोई सस्कार, मूल्य और नीति क्षम बनाने का साधन।

श्री किशोरचन्द्र जी महाराज ने सौराष्ट□ के अनेक गावो मे गौशालाए स्थापित की है। वह गोरक्षण, गोसवधन और गोसेवा के कार्यो मे सच्चा रस लेते है।

सस्थान की करीब 216 साप्ताहिक शालाए है। इनमे 7500 क लगभग बच्चे बढ़ते है।

लोकनायक श्री जयप्रकाश नारायण

5 जून, 2016

सत्ता की राजनीति से दूर रहकर समाज परिवर्तन की साधना मे रत रहने वाले महापुरूषो में महात्मा गाधो जी, जयप्रकाश नारायण और नानाजी देशमुख उल्लेखनीय नाम है।

श्री जयप्रकाश नारायण विचारो से समाजवादी थे । उन्होने कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की स्थापना की थी। उनकी विचारधारा मार्क्सवाद से प्रारम्भ होकर समाजवाद के रास्ते विनोबा भावे के भूदान–ग्रामदान की ओर अग्रसर हुई। उनका क्रान्तिकारी व्यक्तित्व (हज़ारीबाग जेल से पलायन) युवको को प्रेरणा देता आया है।

जयप्रकाश नारायण ने राजसत्ता के मुकाबले जनसत्ता को खड़ा करने का प्रयास किया। उनको युवाशक्ति, विशेष रूप से छात्रशक्ति मे, पूरा भरोसा था। गुजरात के नवनिर्माण आन्दोलन को उनका आशीर्वाद मिला और आगे चलकर उन्होने बिहार के छात्र आन्दोलन को भी अपना आशीर्वाद दिया।

श्री जयप्रकाश नारायण ने देश की आज़ादी के बाद अपने को सत्ता की राजनीति से अलग कर लिया और वह रचनात्मक कार्यो मे लग गए। इसमे से उन्होने वह नैतिक शक्ति अर्जित की, जिसके समक्ष राजनीतिक दल और उनके नेता नतमस्तक हए।